हरिभूमि

शौर्य भूमि

5

जबलपुर, सोमवार 30 जून 2025

login : www.haribhoomi.com

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

खबर संक्षेप

एम.पी. फार्मासिस्ट एसोसिएशन मंडला की नई कार्यकारिणी गठित, गौरव चौरसिया बने जिला अध्यक्ष

मण्डला। 29 जून को एम.पी. फार्मासिस्ट एसोसिएशन मंडला की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। सर्वसम्मति एवं प्रदेश अध्यक्ष अमित सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन व अनुशंसा पर गौरव चौरसिया को जिला अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता संभाग अध्यक्ष मयंक जायसवाल ने की, जबकि पूर्व जिला अध्यक्ष अभिषेक झारिया ने फार्मासिस्ट हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों में सुधार की बात कही। बैठक में निर्णय लिया गया कि जिले में अवैध दवा दुकानों एवं बिना फार्मासिस्ट संचालित दुकानों पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। ड्रग एंड कॉस्मेटिक एक्ट के नियमों का पालन न करने वालों के विरुद्ध प्रशासन से कार्रवाई की मांग की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान अन्य पदाधिकारियों की नियुक्ति भी की गई, जिसमें प्रमेश मालवीय (जिला उपाध्यक्ष), अंचल शर्मा (मीडिया प्रभारी), अतुल कुमार पटेल (कोषाध्यक्ष), प्रकाश बघेल (सह सचिव), राजदीप पटेल (सह सचिव), अभिषेक झारिया (संरक्षक), एवं अभिलेख ठाकुर (सक्रिय सदस्यता प्रभारी) शामिल हैं। संगठन ने उन थोक दवा विक्रेताओं के खिलाफ भी कार्रवाई की बात कही, जो अपने प्रतिष्ठान का लाइसेंस पारिवारिक सदस्यों के नाम पर लेकर संचालन अन्य के माध्यम से कर रहे हैं या एक ही फार्म के लाइसेंस से दो अलग-अलग नामों पर संचालन कर रहे हैं। साथ ही टैक्स चोरी में संलिप्त दुकानदारों के विरुद्ध EOW, स्टेट जीएसटी, सेंट्रल जीएसटी और जिला प्रशासन से शिकायत कर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

जनजाति कार्य विभाग मण्डला में 'लिफाफा संस्कृति' से शिक्षा व्यवस्था पर संकट

स्थानांतरण का खेल, एक हाथ दे एक हाथ ले

*** पैसे के दम पर खाली हो रहीं ग्रामीण क्षेत्रों की शालायें।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

प्रदेश में स्थानांतरण नीति लागू होते ही जनजाति कार्य विभाग में एक बार फिर स्थानांतरण को लेकर उठापटक से ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों शिक्षकों की और अधिक कमी हो गयी। विभागीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, शिक्षकों के स्थानांतरण में पारदर्शिता की बजाय लिफाफा दो, लिफाफा लो की नीति हावी हो गई है।

नाम न छापने की शर्त पर एक कर्मचारी ने बताया कि शासन के स्पष्ट निर्देश हैं कि स्थानांतरण की सूची सार्वजनिक की जाए और सभी आदेश एक साथ जारी किए जाएं, लेकिन हकीकत इससे बिल्कुल उलट है। इच्छित स्थान पर पोस्टिंग के लिए शिक्षा विभाग के कुछ अधिकारी और बाहरी दलाल सक्रिय हो गए हैं।

मुख्यालय के नजदीक स्कूलों में भीड़, ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षक विहीनता

शहर और मुख्यालय के आस-पास के स्कूलों में शिक्षकों की भीड़ लग गई है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों की हालत बदतर होती जा रही है। पहले से ही शिक्षकों की कमी से जूझ रहे इन इलाकों में अब और ज्यादा संकट गहराता जा रहा है। विभाग इसका समाधान अतिथि शिक्षकों की नियुक्ति से करने की बात कह रहा है, जिससे शिक्षा का स्तर तो गिरेगा ही, साथ ही सरकार पर आर्थिक बोझ भी बढ़ेगा।

एक विषय के तीन-तीन शिक्षक, दूसरे में शून्य

जानकारी के मुताबिक, कुछ स्कूलों में एक ही विषय के तीन-चार शिक्षकों की नियुक्ति कर दी गई है, जबकि अन्य विषयों के लिए शिक्षक नहीं हैं। जिन स्कूलों से शिक्षकों का स्थानांतरण हुआ है, वहां पढ़ाई बाधित होने की पूरी आशंका है।

मंत्री जी के 'लोगों' की भूमिका पर उठे सवाल

इसे पूरे मामले में जिले में चर्चा है कि मंत्री के करीबी लोग स्थानांतरण प्रक्रिया में अपनी मनमानी चला रहे हैं। बताया जा रहा है कि जिले के आला अधिकारी भी उनके इशारों पर काम कर रहे हैं। बीते दिनों बीईओ की विवादास्पद पदस्थापना इसका उदाहरण रही, जिसे प्रशासन की सख्ती के बाद निरस्त करना पड़ा।

जांच जरूरी, शिक्षा व्यवस्था पर संकट

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए इस पूरे स्थानांतरण प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच की आवश्यकता है। यदि समय रहते इस पर लगाम नहीं लगी, तो जिले की शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा सकती है।

इनका कहना है :-

यहां ट्रांसफर उद्योग मे जो लिफाफा संस्कृति चल रही है, उसका हम विरोध करते हुए हैं और यह चेतावनी देते हैं कि अगर ग्रामीण क्षेत्रों मे शिक्षकों की कमी से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हुई तो हमें बाध्य होकर बड़ा आंदोलन शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए किया जायेगा।

-डॉ. अशोक मर्सकोले, पूर्व विधायक, कांग्रेस मण्डला

विशाल रथ में सवार होकर आ रहे भगवान जगन्नाथ स्वामी

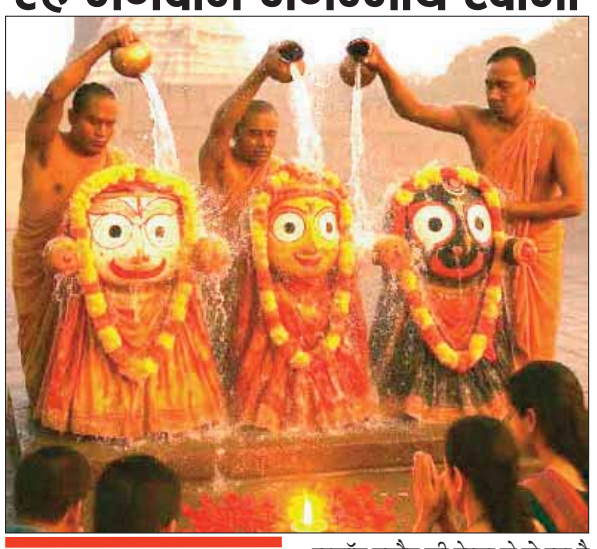

1 जुलाई को मंडला में भव्य आयोजन।

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

पहली बार इस्कॉन द्वारा भव्य जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा का आयोजन किया गया है। यह रथ यात्रा 1 जुलाई को मंडला पहुंच रही है। रथयात्रा दोपहर 1 बजे से राम मंदिर पड़ाव से नगर भ्रमण के लिए निकाली जायेगी। रथ यात्रा के पूर्व भगवान जगन्नाथ स्वामी की स्थापना एवं संगीत मय कार्यक्रम राममंदिर प्रागंण में किया जाएगा और यहां से विधि विधान से पूजन अर्चन करते हुए भगवान जगन्नाथ स्वामी को रथ में विराजमान कर रथयात्रा निकाली जायेगी। रथ यात्रा पड़ाव से चिलमन चौंक रेडक्रॉस सिटी कोतवाली, नेहरू स्मारक होते हुए महिष्मति घाट पहुंचेगी जहां पर संध्या माँ नर्मदा पंचचौंकी महाआरती के साथ रथयात्रा का समापन होगा। इस दौरान विशाल भंडारा का आयोजन भी किया गया है। अंतर्राष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ इस्कॉन के द्वारा भव्य जगन्नाथ रथयात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन इस्कॉन उज्जैन की प्रेरणा से हो रहा है जो कि पूरे मध्यप्रदेश में 34 स्थानों पर रथयात्रा जा रही है। इस पुनीत कार्य का नेतृत्व परम पूज्य भक्ति प्रेम स्वामी महाराज कर रहे हैं जो इस्कॉन उज्जैन के अध्यक्ष और दीक्षा गुरु हैं। यह दो किलोमीटर लंबी रथयात्रा दोपहर 1 बजे राम मंदिर पड़ाव से शुरू होकर चिलमन चौक से रेडक्रॉस से नेहरू स्मारक होते हुए महिष्मति घाट मंडला पर समाप्त होगी। रथयात्रा के समापन पर शाम 7:30 बजे भव्य भंडारे प्रसाद वितरण का आयोजन होगा। 15 फीट ऊंचा विशेष रथ जिसमें 10 फीट ऊंचा समायोज्य गुंबद भी है उज्जैन से मंडला लाया जा रहा है। पूरे मार्ग में 20 से अधिक स्वागत स्थलों पर भगवान का आरती, छप्पन भोग पुष्पमाला और रंगोली के साथ जोरदार स्वागत किया जाएगा। इस शोभायात्रा में विशेष आकर्षण के रूप में आदिवासी सांस्कृतिक दल शामिल होंगे जो पारंपरिक कीर्तन और नृत्य द्वारा भगवान श्रीजगन्नाथ की सेवा करेंगे। उज्जैन से 50 भक्तों की टोली भी इस रथयात्रा में भाग लेने आएगी जो पूरे मार्ग में हरिनाम संकीर्तन करती हुई वातावरण को भक्तिमय बनाएगी। रथयात्रा के पूर्व में गांव-गांव जाकर निमंत्रण दिए जा रहे हैं।

भू-जल स्तर को बेहतर बनाने का उत्कृष्ट प्रयास हैं खेत तालाब

*** करेगांव के कृषक गुन्नीलाल के खेत में लहलहाएगी रबी की फसल।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

प्रदेश सरकार ने जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरुआत कर पुराने और नवीन जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन और पुनरुद्धार करने का संकल्प लिया है। इस अभियान के तहत 30 मार्च से 30 जून तक चलने वाले इस अभियान में मण्डला जिले में भी जल संरक्षण और संवर्धन की दिशा में काम किया जा रहा है।किसानों को सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए मनरेगा योजना के अंतर्गत बड़े पैमाने पर खेत तालाबों का निर्माण किया जा रहा है। वर्तमान में इन तालाबों के बनने से अब इनमें बारिश का पानी जमा होगा, जिससे किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिलेगा। इसके अलावा यह तालाब मछली पालन, कमल और सिंघाड़े की खेती जैसी आर्थिक गतिविधियों के भी अवसर प्रदान कर अतिरिक्त आमदनी का जरिया बनने के साथ भू-जल स्तर बढ़ाने में भी मददगार साबित होंगे।

खेत तालाब से मिलने वाले इन्हीं परिणामों का असर है कि मण्डला जिले के ग्राम पंचायत करेगाव के गुन्नी लाल ने अपने खेत में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नवीन खेत तालाब का निर्माण करने का फैसला लिया।गुन्नी लाल जैसे किसान, जो पहले सिंचाई के लिए वर्षा जल या सीमित सिंचाई स्त्रोतों पर निर्भर थे, अब इस तालाब के माध्यम से अपनी कृषि आवश्यकताओं को पूरा कर पा रहे हैं। अब गुन्नी लाल के खेत में भी रबी की फसलें लहलहायेंगी। यह खेत तालाब न केवल सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित कर रहा है, बल्कि गुन्नी लाल को अतिरिक्त आय के स्त्रोत भी प्रदान करेगा। वह अब तालाब में मछली पालन कर सकते हैं और कमल तथा सिंघाड़े जैसी जल-आधारित फसलों की खेती करने का विकल्प भी उनके पास उपलब्ध हुआ है। यह तालाब, बारिश के पानी को संचित करके, आसपास के भू-जल स्तर को बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है, जिससे जल स्त्रोतों में भी पर्याप्त पानी की उपलब्धता होती रहेगी। गुन्नी लाल का खेत तालाब इस बात का प्रमाण है कि स्थानीय स्तर पर जल संरक्षण के प्रयास कैसे किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बना सकते हैं, साथ ही पर्यावरण को भी लाभ पहुंचा सकते हैं। गुन्नी लाल प्रदेश सरकार के इस फ़ैसले से बेहद प्रसन्न है और इस अभिनव पहल के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार व्यक्त कर रहे हैं।

धरती आबा योजना अंतर्गत ज़िला स्तरीय कार्यक्रम सोमवार को

मण्डला। धरती आबा योजना के अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यक्रम सोमवार को जिला योजना भवन मंडला में सुबह 11 बजे से आयोजित किया जाएगा। इसके तहत आधार कार्ड,आयुष्मान भारत कार्ड, ई केवाईसी, जनधन खाता, पात्रता पर्ची/उज्जवला एवं जाति प्रमाण पत्र बनाये जाने के लिए कैम्प लगाये जाएंगे। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने सभी संबंधित विभाग प्रमुखों को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं।

विडम्बना

कृषि विभाग में मिलीभगत का फंडा हुआ उजागर।

छह घंटे में दो आदेश, एक सील एक बहाली

*** अपने ही विभाग के आदेश को बदल दिया।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

खेती-किसानी के सीजन में किसानों की मजबूरी और बाजार की मांग का किस तरह नाजायज फायदा उठाया जा रहा है, इसका ताजा उदाहरण पिंडरई के मेसर्स फौजी कृषि सेवा केंद्र में देखने को मिला, जहां बीज की कालाबाजारी को लेकर जिला प्रशासन के आदेश पर कृषि विभाग नैनपुर की टीम ने दबिश देकर दुकान को सील कर दिया लेकिन हैरानी की बात यह रही कि महज 6 घंटे के भीतर ही विभाग के ही दूसरे बड़े अधिकारी ने उस दुकान को खोलने का आदेश भी दे दिया, यह पूरा मामला न केवल विभागीय कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है बल्कि यह भी उजागर करता है कि कैसे मिलीभगत और अधिकारियों की कार्यप्रणाली से प्रतिबंधित बीज की कालाबाजारी को संरक्षण मिल रहा है, कलेक्टर के आदेश पर जब उर्वरक निरीक्षक डी.के. बारस्कर ने मेसर्स फौजी कृषि सेवा केंद्र का निरीक्षण किया तो एडवांटा कंपनी का मक्का बीज संदिग्ध हालात में पाया गया जिसके न तो बिल उपलब्ध थे और न ही पीसी नंबर जो कि बीज नियंत्रण आदेश 1983 के नियम 17 के उल्लंघन की पुष्टि करता है, लिहाजा नियमानुसार दुकान को सील कर पंचनामा तैयार किया गया जिसमें स्पष्ट उल्लेख है कि विक्रय हेतु प्रतिबंधित बीज दुकान में रखा गया है और उसे बेचने की अनुमति नहीं है, लेकिन चौंकाने वाली बात यह रही कि कुछ ही घंटों बाद कृषि विभाग के जिला उप संचालक अश्विनी झारिया ने उस सील दुकान को खोलने का आदेश दे दिया और अपने ही विभाग की कार्रवाई को किनारे कर दिया, उन्होंने संचालक साहिल नेहरा द्वारा प्रस्तुत मौखिक व लिखित कथन और तथाकथित साक्ष्यों के आधार पर यह कहते हुए दुकान खोलने की अनुमति दे दी कि बीज उनके निजी खेत में बोने के लिए लाया गया था जबकि यह बीज दुकान में विक्रय स्थल पर पाया गया और पंचनामा में इसका स्पष्ट उल्लेख भी किया गया, ऐसे में यह सवाल उठना लाजमी है कि अगर बीज व्यक्तिगत उपयोग के लिए था तो दुकान में क्यों रखा गया, और अगर दुकान में रखा गया तो उसका विक्रय करना क्यों नहीं माना जाए, क्या जिला उप संचालक ने पंचनामा को दरकिनार कर दुकान संचालक को बचाने के लिए यह आदेश जारी किया, क्या विभागीय कार्रवाई को एक मज़ाक बना दिया गया, यह सब कुछ दर्शाता है कि कैसे नियम-कानूनों को ताक पर रखकर चहेते व्यापारियों को लाभ पहुंचाया जा रहा है, यह मामला विभाग के भीतर पनप रही गहरी सेटिंगबाजी और मिलीभगत का खुला सबूत है जहां एक तरफ एक अधिकारी नियमानुसार दुकान सील करता है और कुछ घंटों में दूसरा अधिकारी नियमों को कुचलते हुए उसी दुकान को खोलने का आदेश दे देता है, अब देखना यह होगा कि क्या जिला प्रशासन इस दोहरे मापदंड और विभागीय गरिमा को ठेस पहुंचाने वाले कृत्य पर कोई सख्त कदम उठाएगा या यह मामला भी बाकी मामलों की तरह फाइलों में दबा रह जाएगा।

मोहगांव पुलिस ने 2 लाख रुपये कीमती 17.464 किलो गांजा किया जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

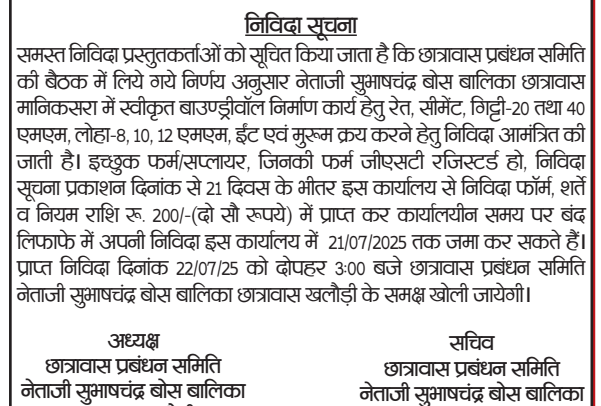

थाना मोहगांव पुलिस ने शुक्रवार की शाम मुखबिर की सूचना पर रेड कार्यवाही करते हुए 17 किलो 464 ग्राम गांजा जब्त किया गया। दिनाँक 27-06-2025 को थाना मोहगाँव पुलिस को विश्वसनीय सूचना मिली थी कि ग्राम चाबी में एक व्यक्ति अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा छुपाकर रखे हुए है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए थाना प्रभारी मोहगांव ने तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराते हुए एक विशेष टीम गठित की और दबिश के लिए रवाना किया। दबिश के दौरान मुखबिर द्वारा बताए गए स्थान पर कार्रवाई की गई, जहां मुन्ना लाल यादव पिता माधव लाल यादव उम्र 49 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 04, ग्राम चाबी को अभिरक्षा में लेकर आरोपी के कब्जे से प्लास्टिक के ड्रम में रखे 11 पैकेट और टीन की पेटी में छिपाए गए 6 पैकेट कुल 17 पैकेट में रखा 17 किलो 464 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया। जप्त गांजे की बाज़ार में अनुमानित कीमत लगभग 2,95,680/- रूपये आंकी गई है। आरोपी का कृत्य एनडीपीएस की धारा 8/20 के तहत अपराध करना पाये जाने से थाना मोहगांव में आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार मादक पदार्थों के तस्करी व विक्रय में लिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध चलाया जा रहे विशेष अभियान एवं मण्डला पुलिस के नशे के विरूध्द ऑपरेशन क्लीन स्विप के तहत मण्डला पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है, जिसमें अलग-अलग थाना क्षेत्रान्तर्गत प्राप्त सूचना पर 10 प्रकरणों में कुल- 23.2 किलो गांजा जप्त किया गया। कार्यवाही में थाना-निवास, नैनपुर, बिछिया, मण्डला, बम्हनी, टिकरिया, बीजाडांडी एवं मोहगाँव द्वारा एक-एक तथा थाना-महाराजपुर द्वारा 02 प्रकरणों में एनडीपीएस की धारा के तहत कार्यवाही की गई।

थाना बीजाडांडी पुलिस ने 0.586 किलो गांजा एवं नगदी जब्त

इसी तारतम्य में थाना बीजाडांडी पुलिस को दिनांक 28-06-2025 को सूचना मिली थी कि ग्राम धनवाही में एक महिला द्वारा गांजा की पुड़िया बनाकर बेचने रखी हुई है। उक्त सूचना पर कार्यवाही करते हुए आरोपी महिला के कब्जे से 0.586 किलो गांजा एवं नगदी 620 रुपये जप्त कर महिला आरोपी के विरुध्द थाना बीजाडांडी में एनडीपीएस की धाराओं में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

कार्यालय नेताजी सुभाषचंद्र बोस बालिका छात्रावास खलौड़ी
विकासखंड मवई जिला मण्डला म.प्र.

निविदा सूचना

समस्त निविदा प्रस्तुतकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि छात्रावास प्रबंधन समिति की बैठक में लिये गये निर्णय अनुसार नेताजी सुभाषचंद्र बोस बालिका छात्रावास मानिकसरा में स्वीकृत बाउण्ड्रीवॉल निर्माण कार्य हेतु रेत, सीमेंट, गिट्टी-20 तथा 40 एमएम, लोहा-8, 10, 12 एमएम, ईंट एवं मुरूम क्रय करने हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक फर्म/सप्लायर, जिनकी फर्म जीएसटी रजिस्टर्ड हो, निविदा सूचना प्रकाशन दिनांक से 21 दिवस के भीतर इस कार्यालय से निविदा फॉर्म, शर्तें व नियम राशि रू. 200/-(दो सौ रूपये) में प्राप्त कर कार्यालयीन समय पर बंद लिफाफे में अपनी निविदा इस कार्यालय में 21/07/2025 तक जमा कर सकते हैं। प्राप्त निविदा दिनांक 22/07/25 को दोपहर 3:00 बजे छात्रावास प्रबंधन समिति नेताजी सुभाषचंद्र बोस बालिका छात्रावास खलौड़ी के समक्ष खोली जायेगी।

अध्यक्ष
छात्रावास प्रबंधन समिति
नेताजी सुभाषचंद्र बोस बालिका
छात्रावास खलौड़ी

सचिव
छात्रावास प्रबंधन समिति
नेताजी सुभाषचंद्र बोस बालिका
छात्रावास खलौड़ी

खबर संक्षेप

स्कूल के समय भारी वाहनों पर नो एन्ट्री लगाये जाने की मांग

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। जहां एक ओर सांईखेड़ा क्षेत्र में लगातार विकास की बात तो आये दिन होते हुए सुनी जा रही है। मगर नगर की प्रमुख समस्या को लेकर आज तक निजात दिलाने की ओर किसी भी प्रकार की पहल नही होना जहां क्षेत्र में लगातार हो रहे विकास के कार्यो पर प्रश्न चिन्ह लगते हुए देखा जा रहा है? वही दूसरी ओर आम लोगों की जिन्दगी भी इस समस्या के चलते खतरे से खाली दिखाई नही दे रही है, क्योंकि इस समस्या के बीच गरीब लोगों को मौत के मुख्य में बैठकर अपनी रोजी रोटी कमाने के लिए मजबूर देखा जा रहा है? बताया जाता है कि नगर के बीचों बीच से निकला हुआ प्रदेश की राजधानी से जुड़ने वाले स्टैट स्तर के मार्ग पर जिस प्रकार से दिन भर भारी वाहनों की धमाचौकड़ी लगी रहती है। वही दूसरी ओर इस मार्ग के किनारे ही लगने वाले साप्ताहित बाजार में दुकानदारी करने वालों के लिए भी खतरे की घंटी बजाते हुए यह वाहन तेज गति से दौड़ रहे है? इतना ही नही इसी मार्ग से जहां नगर के स्कूली बच्चों का आना जाना रहता है, वही दूसरी ओर अन्य शासकीय कार्यालयों में पहुचने वाले लोगों का भी दिन पर इस मार्ग पर आनाजाना होने क कारण जब इस मार्ग से भारी भरकम वाहनों का निकलना होता है तो आये दिन जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है, वही दूसरी ओर बाजार के दिन तो यह हाल होता है कि लोगों का निकलना ही मुश्किल हो जाता है। इस सच्चाई को देखते हुए बीते लम्बे समय से लोगों द्वारा सांईखेड़ा में वायपास मार्ग की मांग की जा रही है, मगर इस ओर किसी भी जिम्मेदार द्वारा ध्यान नही दिये जाने के कारण जहां आम लोगों के लिए खतरा पैदा हो रहा है, वही दूसरी ओर किसी दिन कोई बड़ी घटना की संभावना से भी इंकार नही किया जा सकता है? इस प्रकार से नगर के मुख्य मार्ग से निकलने वाले भारी भरकम वाहनों की आवाजाही को लेकर नगर के लोगों द्वारा सुबह 9 बजे से 11 बजे तक तथा शाम 3 बजे से 5 बजे तक तथा बाजार के दिन दोपहर 3 बजे से शाम 8 बजे तक नो एन्ट्री लगाये जाने की मांग की जा रही है। लोगों का कहना है कि यदि प्रशासन द्वारा इस प्रकार की व्यवस्थाओं के चलते उदासीनता बरती गई तो निश्चित ही किसी दिन सांईखेड़ा बाजार में कोई बड़ी घटना घटित होने की संभावना को नजर अंदाज करना मुश्किल साबित हो सकता है।

युवक सहित महिलाओं की मारपीट

चीचली। स्थानीय पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार नगर के ही बंशकार समाज के व्यक्ति द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि लकड़ी को भगाकर ले जाने की बात को लेकर बीते हुये दिवस जब में अपनी घर पर बैठा हुआ था उसी समय मुहल्ले का लड्डु बंशकार आया ओर मेरी बहू को गंदी गंदी गालिया देने लगा जब उसे गाली देने से मना किया तो प्रार्थी के साथ लाठी से मारपीट कर चोटे पहुंचाई। इस दौरान आकाश व सचिन तथा परषोत्तम बंशकार आ गये जिन्होंने लाठी से प्रार्थी सहित उसकी बहू व एक अन्य महिला के साथ मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई। घटना को लेकर प्रार्थी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

उधार अंडा नहीं दिये जाने पर की मारपीट

गाडरवारा। समीपस्थ सांईखेड़ा थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम देवरी मिढवानी निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया हे कि वह ग्राम पंचायत के पास मिढवानी में अंडे की दुकान लगाता है। बीते हुये दिवस जब वह दुकान चला रहा था उसी समय गांव का लखन कहार, टीकाराम कहार व राहुल कहार आये और बोले की उधार अंडा दे दो जब प्रार्थी द्वारा उधार में अंडा देने से मना किया तो आरोपी द्वारा गंदी गंदी गालिया देते हुये मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई।

रात के समय लोगों को निकलना हो रहा मुश्किल, समय रहते हुये पुलिस ने ध्यान नहीं दिया तो किसी दिन बड़ी घटना की संभावना से नहीं किया जा सकता है इंकार...?

पानी टंकी क्षेत्र का फिर बिगड़ते हुये दिखाई देने लगा माहौल, शाम होते ही शराबियों के आंतक रहने के चलते दहशत में देखे जा रहे आमजन

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

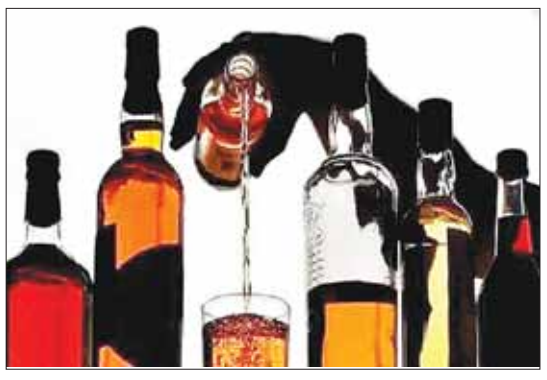

नगर के हृदय स्थल झंडा चौक के बाद पानी टंकी नगर का प्रमुख स्थल के रूप में जाना जाता है। क्योंकि इसी क्षेत्र के नगर के सरकारी स्कूलों सहित तहसील कार्यालय न्यायालय, पुलिस थाना के आलवा मुख्य नगर पालिका पहुंचने का प्रमुख मार्ग होने के चलते यहां पर सुबह से लेकर देर रात तक भीड़ का आलम रहना आम बात है। मगर देखा जा रहा है कि पानी टंकी क्षेत्र में आवारा गर्दी करने वालों के हौसले इंतने बुदंल होते हुये देखे जा रहे है कि लोगों को यहां से निकलना मुश्किल होने से नही चूक रहा है। इस सच्चाई को मीडिया द्वारा लगातार उजागर किये जाने के बाद नजर अंदाज किये जाने का परिणाम बीते हुये दिसम्बर माह में यहां पर हत्या जैसी घटना सामने आने से नही चूक पाई थी..? इस घटना के बाद यहां पर पुलिस द्वारा कुछ सक्रियता दिखाते हुये जहां पुलिस चौकी पाइंट की स्थापना की गई थी तो दूसरी ओर पुलिस का पेहरा भी सख्त हो जाने के काण मनमानी करने वालो पर काफी हद तक अंकुश लगा हुआ नजर आने लगा था। मगर पानी टंकी क्षेत्र की कानून व्यवस्था के दौरान फिर अनदेखी किये जाने के कारण यहां का महौल पूर्णरूप से एक बार फिर बिगड़ते हुये नजर आने से नही चूक रहा है..? क्योंकि यहां पर दिन भर मटर गस्ती करने वालों से लेकर बाइक के माध्यम से मनमानी करने वालों का बोल बाला देखने मिल रहा है तो दूसरी ओर शाम होते ही जिस तरह शराब खोरी करने वालों का आंतक छाते हुये देखा जा रहा है उसका परिणाम है कि यहां से आम लोगों को निकलने में दहशत महसूस करते हुये देखा जा रहा है। इस तरह आवारागर्दी करने वालों के लिये पानी टंकी क्षेत्र में कुछ सैलून दुकान प्रमुख अड्डा साबित होते हुये जान पड़ रही है..? इसी का परिणाम है कि पानी टंकी क्षेत्र में आसामजिक तत्वों की हरकतों से लोग लगातार परेशान हो रहे है..? पानी टंकी क्षेत्र की सच्चाई को लेकर पुलिस की कार्य प्रणाली पूर्णरूप से सुस्त होने के कारण अपराधिक प्रवृति के लोगों का मनोबल लगातार बढ़ता ही चला जा रहा है। स्थिति इस तरह से दिखाई देने लगी है कि अब रात के समय लोगो को अपने घरों से निकलने में दहशत दिखाई पड़ने लगी है। इतना ही नही यदि गौर किया जावे तो पानी टंकी क्षेत्र में जिस तरह शाम होते ही जिस तरह शराब खोरी करने वालों का आंतक छाते हुये देखा जा रहा है उसके चलते रास्ते से निकलने वाले आम लोगों के साथ गाली गलौच करना इन लोगों के लिये आम बात हो चुकी है। इस बीच यदि कोई ग्रामीण अपने साथ किसी महिला को लेकर जा रहा होता है तो उसका इस मार्ग से निकलना मुश्किल होने से नही चूकता है। क्योंकि मुख्य मार्ग से लेकर यहां पर देर रात तक आंतक मचाने वाले शराबियों द्वारा किसी व्यक्ति के साथ कौन सी घटना को अंजाम दे दिया जावे इसका कोई भरोसा नही है इसी दहशत के चलते लोग पानी टंकी रोड से निकलने के पहले अनेको बार सोचने के लिये मजबूर होते हुये देखे जा रहे है..? प्रमुख रूप से देखा जावे तो नगर के पानी टंकी के पास काम्प्लेक्स के पीछे वाले क्षेत्र से लेकर पुराने कालेज ग्राउंड सहित पुराना कालेज भवन के आलवा पानी टंकी के पीछे वाला भाग शराब खोरी करने वालों के लिये सबसे सुरक्षित स्थान बन चुका है..? यह बात अलग है कि यहां से दुकाने बंद कराने के लिये पुलिस की गाड़ी ठीक 11 बजे पहुंच जाती है। मगर वह पानी टंकी काम्पलेक्स में लगी हुई दुकानों को देखकर आगे की ओर बढ़ जाती है। जबकि पानी की टंकी के ठीक पीछे वाला स्थान जो रात के समय अंधेरा होने के साथ शराब खोरी करने वालों के लिये सबसे सुरक्षित स्थान बन चुका है। हालत यह बनी हुई कि यहां पर होने वाली शराब खोरी करने वाले तत्वों के आंतक मचाने के साथ नशे की हालत में मस्त होकर रात के दो तीन बजे तक यही मडराते हुये देखे जाते है। वही दूसरी ओर जब रात के समय कोई ग्रामीण या फिर अकेला व्यक्ति किसी ट्रेन या फिर अन्य कही इस रास्ते से निकल कर जा रहा होता है तो उससे पैसा छीनने से भी नही चूकते है...? इस सच्चाई के चलते कानून के रखबारे यह बात कहने से नही चूकेगे कि जब किसी के कोई पैसा छीनता है तो फिर वह रिपोर्ट क्यों नही करता है...। क्योंकि नशेडियों द्वारा राह चलते हुये लोगों से 100-50 रूपया छीनते है तो वह दहशत के चलते इन लोगों की शिकायत नही कर पाते है और अधिकांश लोगों की सोच रहते है कि अब कौन झंझट में पड़े और इसी बात को फायदा उठाते हुये इन शराब खोरी करने वालों के हौसले बुलंद होने से नही चूक रहे है..? इस सच्चाई से पुलिस विभाग के छोटे से लेकर बड़े अधिकारियों को अनेकों बार अवगत कराते हुये बताया गया है कि पानी टंकी क्षेत्र इस समय आवारा गर्दी से लेकर शराब खोरी करने वालों के लिये मुख्य स्थान बन चुका है। इस तरह यहां पर रात दिन होने वाले आवारा गर्दी का परिणाम है कि जहां नगर की शांति व्यवस्था भंग होने से नही चूक रही है तो दूसरी ओर पुलिस द्वारा नगर में बनाई जाने वाली व्यवस्था को भी यह पानी टंकी क्षेत्र ग्रहण लगाने से नही चूक रहा है..? इस तरह चर्चा का विषय बन चुका पानी टंकी क्षेत्र को लेकर आमजन की पुलिस प्रशासन से मांग है कि रात 11 बजे के बाद यहां पर फालतू बगैर काम से बैठने वाले लोगों को हटाने के साथ साथ अपनी गस्त के दौरान पानी टंकी के पीछे वाले क्षेत्र का भी भ्रमण करते हुये शराब खोरी करने वालों की कार गुजारियों पर अंकुश लगाने के लिये सख्त कदम उठाया जावे। यदि समय रहते हुये पानी टंकी क्षेत्र में बिगड़ रही स्थिति पर ध्यान नही दिया गया तो निश्चित तौर से पानी टंकी क्षेत्र में किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है..?

मूंग के बाद भविष्य की उम्मीदों को लेकर अन्नदाता सोयाबीन सहित फसल की बोनी में जुआ आ रहा नजर

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

निश्चित तौर से दुनिया को पेट पालने वाले अन्नदाता किसान भले ही चारों ओर मुश्बितों से घिरा रहता है और अपने आंसों समेटते हुये नई उम्मीदों को लेकर खेतों में नजर आने से नही चूकता है। क्योंकि जिस प्रकार से किसानों द्वारा अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के सपने संजोकर गर्मी सीजन में मूंग लगाई थी और जब नेताओं से लेकर अधिकारी व आमजन आग उगलते हुये सूरज की तपन के दौरान अपने घरों में कुलर की हवा में सो रहे थें। मगर अन्नदाता किसान तपती हुई दोपहरी में अपने खेतों के बीच मूंग फसल को तैयार करने में जुटा हुआ नजर आ रहा था। अन्नदाता को उम्मीद थी कि सरकार द्वारा उसकी मूंग फसल को समर्थन मूल्य पर खरीदते हुये मूंग फसल को तैयार करने में लगाई गई लागत अदा कर देगी और किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो जावेगा। मगर समय रहते हुये सरकार द्वारा मूंग फसल का समर्थन मूल्य पर खरीदी नही किये जाने के कारण अधिकांश किसानों द्वारा जब अपनी मूंग फसल को मजबूरी के चलते ओने पोने दामों में खुले बाजार में विक्रय कर दिया गया जब सरकार द्वारा मूंग खरीदने की घोषणा की गई। क्योंकि हर छोटे किसानों की मजबूरी होती है कि फसल की कटाई के बाद वह ज्यादा समय तक अपने घर में नही रख सकता है। पहली बात तो छोटे किसानों के पास इतनी जगह नही होती है कि वह फसल को रख सके। वही दूसरी बात यह होती है कि किसान फसल तैयार करने में जो लागत लगाता है वह उधर लेकर लगाई जाती है इस स्थिति में उसे वह कर्ज चुकता करना होता है। इसके साथ ही हर छोटे किसानों को अपने घर को चलाने के लिये जरूरतों को पूरा करने के लिये पैसों की जरूरत होती है इस स्थिति में हर छोटे किसान को अपनी फसल काटने के बाद शीघ्र ही बेचने के लिये मजबूर होना पड़ता है। इस स्थिति में सरकार द्वारा जिस तरह काफी समय के बाद समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदने की जो घोषणा की गई है उसका लाभ छोटे किसानों को तो किसी भी स्थिति में मिलना संभव नही है..? यह बात जरूर है कि इसका लाभ बडे व प्रभावशाली किसानों के साथ साथ व्यापारियों को जरूर मिलने से नही चूकेगा..? मगर इसके बाद भी अपनी नई उम्मीदों को लेकर इस समय परेशानियों का सामना करते हुये अपने खेतों में सोयाबीन की बोनी सहित धान रोपने की तैयारी में जुटा हुआ देखाई देने लगा है। बताया जाता है कि बीते हुये लगभग एक सप्ताह से हो रही रिमझिम बारिश के दौरान जिस तरह बीते हुये गुरूवार व शुक्रवार सहित शनिवार को ब्रेक लगा हुआ देखा गया था उस दौरान हर किसान के खेत में सोयाबीन की बोनी करते हुये ट्रेक्टर दिखाई देने से नही चूक रहे थें। क्योंकि मौसम ने जिस प्रकार मात्र दो दिन की ढील देने के बाद फिर बारिश ने अपनी गति पकड़ने के कारण किसानों को चिंता में देखा जा रहा है। किसानों का कहना है कि अभी मात्र साधन संपन्न माने जाने वाले कुछ किसानों के खेतों में ही सोयाबीन की बोनी हो पाई है। यदि मौसम का यही हाल बना रहा तो किसानों की सोयाबीन बोनी लेट होने से नही चूक पायेगी और किसान के ऊपर प्रकृति की मार का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ सकता है।

सांगई स्कूल में लगाया गया विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

आम लोगों के साथ साथ स्कूली बच्चों को कानून सहित अन्य अपराधिक घटनाओं के प्रति जागरूक करने की सोच के चलते आये दिन विधिक जागरूता शिविरों का आयोजन किया जाता है। इसी प्रकार से बीते हुये दिवस जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत आने वाली ग्राम सांगई की एकीकृत शासकीय नवीन माध्यमिक शाला में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। बताया जाता है कि इस शिविर का शुभारंभ विद्या की देवी माँ सरस्वती का पूजन कर किया गया। तत्पश्चात कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का स्वागत फूल माला से किया गया। शिविर में जिला विधिक सहायता अधिकारी राजेश सक्सेना ने कहा कि छात्र छात्राओं को पढ़ाई के साथ साथ बच्चों को कानूनों के बारे में जानकारी होना जरुरी है। क्योंकि सामान्य ज्ञान में वृद्धि जीवन में सफलता के द्वार खोलने की प्रथम सीढ़ी है। वही प्रकार से सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दिनेश मीणा ने छात्र छात्राओं से संवाद करते हुए कहा कि बुरी आदतों को त्यागना चाहिए एवं अच्छे संस्कारो को अपनाना चाहिये। आप लोगों के यही उम्र होती है जो बच्चें मार्ग पर ले जाने के लिये प्रेरित करती है। इस दौरान उन्होंने कहा कि वर्तमान समय जागरूकता का है। कार्यक्रम में पूर्व सरपंच कैलाश गुर्जर ने बच्चों को संबोधित करते हुये कहा कि सांगई में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन प्रसन्नता का विषय है। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक विवेक नाईक एवं आभार प्रदर्शन संस्था के प्रधान पाठक दशरथ जाटव ने किया। कार्यक्रम में पीयूष दीक्षित, शिक्षक राजेश कौरव, मधुसूदन पटैल, फूलवती केवट, नेतराम केवट सहित छात्र छात्राएँ उपस्थित रहें।

देवर ने भाभी के साथ मारपीट करते हुये चोटें पहुंचाई

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। वैसे तो हिन्दू संस्कृति में देवर भाभी का रिस्ता माँ बेटे जैसा होता है। मगर इस कलयुग में जिस तहर की स्थिति देखने मिल रही है उसके चलते देवर अपनी माँ समान भाभी के साथ मारपीट करने में पीछे नही है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस नगर के बीजासेन वार्ड निवासी तथा एक निजी स्कूल में कार्यरत शिक्षिका द्वारा पुलिस थाने में अपने देवर के खिलाफ मारपीट की शिकायत दर्ज कराई गई। पीड़िका का कहना है कि मै बीते हुये दिवस जब अपने घर पर थी तो मैने अपने पति से 80 हजार रूपये मेरे दिये हुए वापिस मांगे। उसी समय मेरा देवर राजा चौकसे आया और बोला कि अभी तक इसकी चौ चौ खत्म नही हुई मैने अपने देवर से कहा कि मै अपने पति से पैसा मांग रही हूँ। तुम बीच में बोलने बाले कोन होते हो। इसी बात पर से देवरद्वारा गंदी गंदी गालिया देते हुये बाल पकड़कर जमीन पर पटकते हुये मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई व जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़ित भाभी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी देवर के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

स्टेट बैंक शाखा के सामने की सड़क बनी पार्किंग स्थल, वाहन चालकों को हो रही परेशानी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। शहर की स्टेट बैंक शाखा की आधी सड़क वर्तमान में पार्किंग स्थल के रूप में तब्दील होकर रह गयी है। हालत यह है कि स्टैट बैंक में पार्किंग व्यवस्था के अभाव के चलते इस बैंक में आने वाले उपभोक्ता मनमर्जी से कही भी बेतरतीब ढंग से अपने वाहन खड़े कर देते है और रोज स्टैट बैंक शाखा के सामने वाहनों का जमावड़ा लगने से राहगीरो को आवागमन में असुविधा करने मजबूर होना पड़ता है और आटो, दो पाहिया वाहन चालकों को अपने वाहन निकालने में दिक्कत होती है, गौरतलब है कि नगर की स्टेट बैंक शाखा के सामने की सडक व्यस्ततम मानी जाती है, स्टेट बैंक शाखा के बाजू में नपा., शिक्षा संस्थाओं में जाने वाला रास्ता है और इसी मार्ग से लोग पानी की टंकी के पास लगने वाले सब्जी बाजार पहुंचते है, ऐसे में स्टैट बैंक के सामने अव्यवस्थित तरीके से वाहन खड़े रहने से शहरवासियो कों भारी परेशानी हो रही है, बैंक ग्राहकों का कहना है कि नगर की स्टेट बैंक शाखा वर्षो पुरानी है पर दुर्भाग्य की बात है कि अभी तक उसकी खुद की पार्किंग व्यवस्था नही बन पायी है, जिसके कारण न चाहते हुए भी बैंक ग्राहक सड़के किनारे अपने वाहन खडे कर देते है। ज्ञातव्य है कि स्टेट बैंक के सामने खड़े रहने वाले बैंक उपभोक्ताओं के वाहन उस दौरान असुरक्षित रहते है, जब वे बैंक के भीतर अपना काम कराने में व्यस्त रहते है, साथ ही वाहन चालकों को उनके वाहन चोरी जाने की आशंका भी बनी रहती है। शहरवासियो ने स्टेट बैंक प्रबंधन से अपेक्षा व्यक्त की है कि वह बैंक उपभोक्ताओं के हित में शहर की स्टेट बैंक शाखा के आसपास जगह चिन्हित कर पार्किंग व्यवस्था बनाने की पहल करें ताकि बैंक के सामने की सड़क जाम लगने से मुक्त हो सके।

पंचायतों में पौधें के साथ प्लेट फार्म भी हो रहे हैं गायब हर वर्ष लाखों खर्च होने के बाद भी दर्शन नहीं दे रहे पेड़

हरिभूमि न्यूज/कल्याणपुर

राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गांरटी योजना के तहत क्षेत्रवासियों की उम्मीद थी कि इस योजना के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत मे लगाए जा रहे पेड़ों से क्षेत्र हरित जिले मे स्थान पा सकेगा। लेकिन आलम यह है कि लगाए गए पेड़ तों गायब ही है साथ ही उनके लिए बने प्लेट फार्म भी लगभग गायब होते जा रहे है। जिस कारण क्षेत्रवासियों का यह समना ग्राम पंचायतों के पिछली पंचवर्षीय सरपंच, सचिवों एवं योजना को लागू करने वाले अधिकारी एवं उपयांत्रियों की मनमानी की भेंट चढ़ने से नही चूक पाया है? जानकारी अनुसार क्षेत्र की अनेक ग्राम पंचायतों में वर्तमान समय तक बमुश्किल पचास प्रतिशत भी पेड़ सुरक्षित नही है अधिकतर ग्राम पंचायतों का हाल यह है कि लगभग सारे पेड़ सूख चुके है और उनके लिए बनाए गए प्लेट फार्म टूटकर विखरने लगे है। उल्लेखनीय है कि क्षेत्र की प्रत्येक ग्राम पंचायतों मे ग्रामीणों को काम देने और हरियाली बढ़ानें के उद्देश्य से बड़ी संख्या मे पेड़ लगाए गए थे जिसके लिए करोड़ो रूपये का बजट खर्च किया गया है। इस योजना के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत मे वृक्षारोपण, वृक्षों की सुरक्षा एवं सिंचाई पर लगभग लाखो रूपये की राशि खर्च की गई है। लेकिन इस खर्च का कोई मतलब नही दिखाई दे रहा है? बीते हुए वर्षो में इस योजना के अंतर्गत तहसील के लगभग प्रत्येक ग्राम पंचायतों मे पौधें लगाने के लिए राशि उपलब्ध कराई गई थी। लेकिन ट्री गार्ड के निर्माण कार्यो में अनेकों ग्राम पंचायतो मे अनियमितता बरती गई है? जिसका जीता जागता उदाहरण जनपद पंचायत चीचली, सांईखेड़ा व चांवरपाठा की अनेक ग्राम पंचायत में जाकर देखा जा सकता है। हैरत की बात तो यह है कि क्षेत्र के आला अधिकारी भी इस विषय की जानकारी रखते हुये भी इस ओर कड़े कदम उठाने की बजाय चुप्पी साधें हुये है। क्षेत्र मे जहां कही भी हरियाली महोत्सव के नाम राशि को खर्च किया गया है। वहां यह योजना दम तोड़ चुकी नजर आ रही है। काबिल गौर है कि रोजगार गारंटी योजना के तहत मजदूरों को काम मुहैया कराने व विकास के उद्देश्य से यह योजना क्रियान्वित की गई थी। लेकिन जहां कही भी यह योजना हरियाली महोत्सव के नाम पर चलाई गई वहां परिणाम केवल कागजों मे सिमट कर रह गए है। वस्तु स्थिति कुछ अलग बयां कर रही है कि ट्री गार्ड तो निर्माण करवाये गए थें। लेकिन पौधे तैयार नही हो सके, क्षेत्र की अनेक ग्राम पंचायतों मे जाकर देखा जाए तो ट्री गार्ड के नाम पर इस राशि का बंदरवाट जमकर किया गया है? वही कुछ पंचायातों में तो ट्री गार्ड के नाम से राशि निकालकर पौधों के चारो ओर बेसर्म की बाड़ी लगा दी गई थी, जिससे पैसा की जगह बेसर्म तैयार हो गई है। पूर्व के पंचायती राज कार्यकाल के समय मे रहे सरपंच और सचिव तथा अधिकारियों की मिली भगत दिखाई दे रही है, इसके लिए समूचा प्रशासन तंत्र व ग्राम पंचायत के जन प्रतिनिधियों की अनियमितताएं खुले रूप मे उजागर हो रही है? विभिन्न ग्राम पंचायतों के विगत पंचवर्षीय मे सरपंच, सचिव व अधिकारियों की इस घोर अनियमितता के चलते क्षेत्रवासियों का हरित क्रांति का सपना अधूरा रह गया है..?

दीवार पर थूकने से मना किया तो महिला के साथ की मारपीट

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये नगर के पटैल वार्ड निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मैने पटैल वार्ड वार्ड क्रमांक 9 में मेरा एक प्लाट बीते हुये चार सालों से खाली पडा था जिसमे बगल के मकान वाला धनराज कहार निस्तार करता था। मैने अपने प्लाट पर मकान बनाकर करीबन 1 माह पहले से रहने लगी हूँ। इस बात को लेकर धनराज कहार हमेशा मेरे से कहता है कि तुम्हारे मकान बनाने से मेरा मकान पीछे हो रहा है। हमारा दरवाजा खराब लग रहा है। इसी बात को लेकर आये दिन धनराज कहार आते जाते हमारे दिवाल में गुटखा तम्बाखु खाकर थुक देता है। इसी प्रकार से बीते हुये दिवस मेरे घर के कोने की सामने वाली दिवाल में धनराज कहार को मैने थुकते देखा तो मैंने घर से बाहर निकलकर धनराज से कहा कि भैया दिवाल खराब क्यो कर रहे हो। इसी बात पर से धनराज कहार और उसकी पत्नि दोनो प्रार्थिया को गंदी गंदी गालिया देते हुये मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी पति पत्नी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

बस ड्राईवर के साथ की मारपीट

गाडरवारा। समीपस्थ चीचली पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम सिरेगांव निवासी तथा संस्कार बेली स्कूल बस के चालक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह बीते हुये दिवस अपने भतीजे की शादी में इकलौनी गया हुआ था वहां पर मोटी साईकिल से पेट्रोल चोरी होने की बात को लेकर संतोष ठाकुर से विवाद हो गया था। जब जब प्रार्थी व उसका जीजा हल्के ठाकुर मोटर साईकिल क्रमांक एमपी 49 एमएस 9549 से अपने घर सिरेगांव आ रहे थें तो ग्राम माल्हनवाडा स्कूल के पास संतोष ठाकुर, बडडे ठाकुर, हल्के ठाकुर तीनों निवासी एक इकलौनी तथा सन्नू ठाकुर निवासी माल्हनवाडा मिल जिन्होंने प्रार्थी की मोटर साईकिल पर लाठी पटकते हुये नीचे गिराकर पार्थी व उसके जीजा के साथ मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

खबर संक्षेप

मजदूरी करने महाराष्ट्र गए डिंडौरी के युवक की ट्रेन से कटकर मौत

डिंडौरी। समनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम जाता डोंगरी निवासी चूरामन पिता भान सिंह सिंह (आयु लगभग 28 वर्ष) की महाराष्ट्र के मुंबई में रेल हादसे में मौत हो गई। बताया गया कि चूरामन मजदूरी करने महाराष्ट्र पुणे गया था। रेल लाइन में कार्य करते समय अचानक ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मृतक के परिजनों को दे दी गई है। जानकारी के अनुसार मृतक का पीएम कराकर शव को गृह ग्राम भेजा जा रहा है।गौरतलब है कि आदिवासी बहुल डिंडौरी जिले के सैकड़ों लोग रोजगार के लिए हर साल बड़े शहरों की ओर पलायन करते हैं। इस दौरान हादसों में अब तक कई मजदूरों की जान जा चुकी है, लेकिन मजदूर रोजी रोटी की तलाश में लगातार पलायन कर रहे हैं।

मासूम बच्ची की जहरीले कीड़े के काटने से मौत

छतरपुर। जिले के एक गांव में एक 5 वर्षीय बच्ची की जहरीले कीड़े के काटने से मौत हो गई। बच्ची को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन चार दिन के इलाज के बाद उसकी जान नहीं बच सकी। बताया गया है कि मातगुवां थाना क्षेत्र के ब्यारदा पुरवा निवासी 5 वर्षीय ऋषिता पुत्री दीनदयाल कुशवाहा, 25 जून की सुबह अपनी दादी कुइया बाई के साथ सो रही थी, तभी उसे अचानक उल्टियां शुरू हुईं। परिजनों ने उसे तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने बताया कि बच्ची को किसी जहरीले कीड़े ने काटा है और उसके शरीर में जहर फैल गया है। करीब चार दिन तक गहन इलाज के बाद शनिवार रात को ऋषिता की मौत हो गई। रविवार सुबह जिला अस्पताल में उसका पोस्टमॉर्टम किया गया।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई से बची घायल की जान

छतरपुर। बीती रात महाराजपुर रोड पर एक मोटरसाइकिल सवार सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस की त्वरित कार्रवाई और डायल-112/100 आकस्मिक सेवा की सजगता से घायल व्यक्ति को तुरंत प्राथमिक सहायता दी गई और जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जिससे उसकी जान बचाई जा सकी। घटना की सूचना राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम भोपाल से मिलते ही थाना गढ़ी मलहरा की डायल-112/100 टीम तुरंत मौके पर पहुंची। घायल व्यक्ति के शरीर से तेज रक्तस्राव हो रहा था और उसकी हालत नाजुक थी। थाना प्रभारी निरीक्षक रीता सिंह, आरक्षक श्रीराम, और डायल-100 पायलट ग्यासी लाल कुशवाहा ने बिना समय गंवाए घायल को प्राथमिक सहायता प्रदान की और उसे जिला अस्पताल पहुंचाया। छतरपुर पुलिस की डायल-112/100 सेवा आमजन को संकट के समय त्वरित सहायता प्रदान करने के लिए हमेशा तैयार रहती है।

विद्यालय परिसर हुआ जलमग्न, सरपंच उप यंत्री की लापरवाही आई सामने

पन्ना। जिले की पवई जनपद पंचायत अंतर्गत अंतर्गत ग्राम पंचायत कृष्णगढ़ के पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के मेन गेट पर पंचायत द्वारा स्कूल की बाउंड्री के बगल में नाली ना बनाए जाने के कारण विद्यालय परिसर तालाब की तरह भर गया है तथा पूरा परिसर जलमग्न हो गया है जिससे छात्र छात्राओं का स्कूल पहुंचना संभव नहीं है यह स्थिति इसलिए निर्मित हुई है क्योंकि सरपंच तथा उपयंत्री ने नाली का निर्माण सही ढंग से नहीं किया है अभी तो केवल बारिश के मौसम की शुरुआत हुई है अभी तो। पूरा सीजन रखा हुआ है नाली का निर्माण पश्चिम दिशा की ओर होना था उस नाली को पूर्व की ओर बना दिया जिस नाली को नहीं बनना था।

पीएम जनमन योजना पर भारी सरपंच-सचिव की मनमानी : आंगनबाड़ी का घटिया निर्माण

समनापुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत किवाड़ का मामला, स्लोपिंग रूफ में राफ्टर की जगह लगाई गई कच्ची लकड़ियों की बल्लियां

मध्यप्रदेश भंडार क्रय नियम तथा सेवा उपार्जन नियम 2015 की खुलकर उड़ाई जा रही धज्जियां, महंगे दामों में की जा रही सामग्री खरीदी

डिंडौरी ।

प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत बैगा बाहुल्य गांवों में स्थानीय परिवेश के अनुरूप आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण कराया जाना है, जिसके लिए मॉडल, अनुमान और डिजाइन राज्य स्तर से स्वीकृत किए गए हैं। इस योजना का उद्देश्य विशेष पिछड़ी जनजाति के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना है, ताकि बच्चे आंगनबाड़ी केंद्रों से अधिक से अधिक जुड़ सकें। लेकिन ग्राम पंचायतें 'बैगा विकास' के नाम पर घटिया निर्माण कराते हुए अपनी जेबें भरने में जुटी हैं।

समनापुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत किवाड़ में प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत स्वीकृत आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण में निर्धारित मानकों को दरकिनार कर सरपंच और सचिव द्वारा मनमानी की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वनग्राम पौड़ी में 12 लाख रुपये की लागत से बनाए जा रहे आंगनबाड़ी केंद्र में गुणवत्ता से समझौता किया गया है। प्राक्कलन के अनुसार कॉलम में 12 एमएम की छड़ लगनी थी, लेकिन 10 एमएम की छड़ का उपयोग किया गया। वहीं बाउंड्री वॉल में भी कॉलम निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग कर 6 इंच की जगह 11 इंच में चूड़ी लगाई गई है।

इसी तरह ग्राम पंचायत किवाड़ के चकटोला में भी 12 लाख रुपये की लागत से बन रहे आंगनबाड़ी केंद्र में घटिया सामग्री के उपयोग का मामला सामने आया है। स्लोपिंग रूफ में लकड़ी की राफ्टर की जगह जंगल से काटी गई कच्ची लकड़ियों की बल्लियां लगाई गई हैं, जिन पर जला हुआ ऑयल पोत कर काम चलाया गया है। स्थानीय ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि कुछ ही समय में इन बल्लियों में घुन लग जाएगा। प्राक्कलन में लकड़ी की राफ्टर पर प्राइमर पॉलिश की तीन कोट करने का प्रावधान था, लेकिन उसे नजरअंदाज कर दिया गया। जिले के अन्य बैगा बाहुल्य गांवों में राफ्टर लगाए जा रहे हैं, लेकिन ग्राम पंचायत किवाड़ में सरपंच और सचिव की मनमानी तकनीकी अधिकारियों की मिलीभगत से बेरोकटोक जारी है।

भंडार क्रय नियमों को ताक पर रख महंगी खरीदी

मध्यप्रदेश शासन ने समस्त विभागों को भंडार क्रय एवं सेवा उपार्जन नियम 2015 तथा संशोधित 2023 का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए हैं, ताकि सरकारी कार्यों में सामग्री उचित दरों पर खरीदी जा सके। लेकिन ग्राम पंचायत किवाड़ के सचिव द्वारा इन नियमों की अनदेखी कर चुनिंदा सप्लायरों से बाजार दर से ज्यादा कीमत पर सामग्री खरीदी गई और लाखों रुपये का मनमानी भुगतान कर दिया गया।

धुंधले बिल-बाउचर से गड़बड़ी का खेल

ग्राम पंचायत किवाड़ में पदस्थ सचिव पर आरोप है कि उन्होंने अपने कार्यकाल में धुंधले बिल-बाउचर और फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से शासन की राशि का दुरुपयोग किया है। शासन ने पंच परमेश्वर एप के जरिए भुगतान प्रक्रिया को डिजिटल कर पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की व्यवस्था की है, लेकिन सचिव ने अस्पष्ट और अपूर्ण बिल लगाकर भुगतान किया, जिससे यह पता लगाना मुश्किल हो गया कि आखिर कितनी और किस सामग्री के नाम पर भुगतान किया गया है।

पर्यावरण बचाना है तो पौधे हमें लगाना है ! सिलगी नदी किनारे बरगांव में युवाओं ने किया पौधारोपण

शहपुरा। जिले के शहपुरा विकासखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बरगांव में युवाओं ने मिलकर पौधारोपण महाभियान के तहत अमरूद के पौधे का रोपण किया। युवाओं ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि हमारी टीम धारा सरस्वती शैक्षणिक एवं समाज उत्थान समिति लगातार तीन-चार वर्षों से हर रविवार को एवं अन्य शुभ अवसरों पर पौधारोपण महाभियान चलाते हुए पौधे लगा रही है साथ ही हम इसकी देखभाल और संरक्षण करने में भी जुटे हुए हैं। ताकि, आने वाली पीढ़ी को ताजी हवा मिल सके इसी उद्देश्य के साथ लोगों से अपील करते हुए कहा कि आप लोग भी आगे आएं और हर मौके पर एक पौधा अवश्य लगाएं। धारा सरस्वती शैक्षणिक एवं समाज उत्थान समिति के सचिव एडवोकेट निर्मल कुमार साहू ने कहा कि हमारी समिति लगातार पौधारोपण करते आ रही है और लोगों को जागरूक करने का कार्य कर रही है। हमने जो पहले पौधे लगाए हुए थे जो कि आज विशाल वृक्ष बनकर तैयार हो चुके हैं। हम सभी से अपील करते हैं कि आप भी हमारे साथ जुड़िए और पौधारोपण महा अभियान को सार्थक बनाते हुए पौधे लगाइए। समिति के मीडिया प्रभारी पत्रकार भीमशंकर साहू ने कहा कि हमारी टीम लगातार तीन-चार वर्षों से पौधारोपण करते आ रही है आज हमने अमरूद के पौधे का सिलगी नदी किनारे बरगांव में रोपण किया है। यहां हमने पूर्व में भी पौधे लगाए हैं जो कि आज बगीचा बन चुके हैं। आप भी एक पौधा अपने जीवन में अवश्य लगाएं और उसकी देखभाल जरूर करें जिससे हमें और हमारी पीढ़ी को शुद्ध प्राण वायु मिल सके।

शौचालय नहीं, सड़क नहीं! डिंडोरी के घुंडी सरई में आंगनबाड़ी बच्चे बेहाल, जिम्मेदार बेखबर!

शहपुरा - डिंडोरी

जिले के शहपुरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम घुंडी सरई की दो आंगनवाड़ी केंद्र खिरखा टोला और साहू टोला आज मूलभूत सुविधाओं की गंभीर कमी से जूझ रही हैं।

लगभग 60 नौनिहाल इन केंद्रों में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, लेकिन न ही यहां शौचालय की व्यवस्था है, और न ही ठोस पहुंच मार्ग (सीसी रोड) मौजूद है। बच्चों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को खुले में शौच जैसी अस्वस्थ परिस्थितियों में काम चलाना पड़ता है, जिससे उनकी स्वास्थ्य और गरिमा दोनों पर सीधा असर पड़ रहा है। साथ ही आंगनवाड़ी तक पहुंचने के लिए खराब रास्तों से होकर गुजरना बच्चों और अभिभावकों के लिए एक दैनिक संघर्ष बन गया है। स्थानीय समाजसेवियों और जनपद सदस्य सरोज परस्ते ने मौके पर पहुंचकर हालात देखे और माना कि यह स्थिति चिंताजनक है। ग्रामीणों ने बताया कि इस समस्या को लेकर कई बार ग्राम पंचायत और महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई। इससे यह सवाल उठता है कि शासन-प्रशासन और संबंधित विभाग वास्तविक जनसमस्याओं के प्रति कितने सजग और उत्तरदायी हैं?

ग्रामीणों की मांग है किआंगनवाड़ी केंद्रों में तत्काल शौचालय का निर्माण किया जाए,सीसी रोड की व्यवस्था शीघ्र पूरी की जाए इस विषय पर जिम्मेदारों पर ठोस कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री 30 जून को करेंगे जल गंगा संवर्धन अभियान का भव्य समापन

जिले भर में लाइव प्रसारण के माध्यम से जुड़ेंगे जनप्रतिनिधि और आमजन

डिंडोरी।

जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रदेशभर में चलाया जा रहा जल गंगा संवर्धन अभियान अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है। इस अभियान का समापन 30 जून को खंडवा जिले में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे और अभियान के समापन की घोषणा करेंगे।

इस अवसर का सीधा प्रसारण लिंक के माध्यम से प्रदेश के सभी जिलों, जनपद पंचायतों, ग्राम पंचायतों और जिला पंचायतों में किया जाएगा। समापन कार्यक्रम को देखने के लिए जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ आमजन, संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी बड़ी संख्या में एकत्रित होंगे। जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरुआत 30 मार्च को हुई थी, जिसके अंतर्गत प्रदेश में जल संरक्षण से जुड़े विभिन्न कार्यों को गति दी गई। महात्मा गांधी नरेगा योजना के तहत 2334 खेत तालाब, 1523 कूप रिचार्ज संरचनाएं, 13 अमृत सरोवर और 186 सार्वजनिक तालाबों के निर्माण की स्वीकृति दी गई, जिन पर कार्य जारी है। अभियान के माध्यम से प्रदेश में जल संसाधनों के संरक्षण एवं पुनर्भरण को नया आयाम मिला है, जिससे आने वाले समय में जल संकट की समस्या से प्रभावी रूप से निपटा जा सकेगा।

मेलकाईट स्कूल का बजाग में शुभारंभ प्ले स्कूल और नर्सरी के पढ़ेंगे बच्चे

बजाग /मुख्यालय में पडरिया डोंगरी तिराहा के पास प्रारंभिक शिक्षा के लिए मैकलाईट स्कूल के नाम से प्राईवेट शिक्षा संस्थान प्रारंभ किया गया है जिसमें बच्चों को अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। कक्षा की प्रारंभिक शिक्षा में प्ले स्कूल, नर्सरी , केजीवन और कक्षा पहली के बच्चों को शिक्षा दी जाएगी। मेलकेलाईट एज्युकेशन एण्ड चेरेटिबल सोसायटी के द्वारा विद्यालय का शुभारंभ किया गया है, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकेश पटेरिया जनपद पंचायत सदस्य, विशिष्ट अतिथि महेश प्रसाद साहू, इसके अलावा कमलेश पटेरिया, प्रमोद साहू, मुरारी लाल साहू, ललन साहू, चूरामन साहू, जगदीश टांडिया, ईश्वर पड़वार सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बताया गया कि प्राथमिक शिक्षा उपलब्ध कराया जाएगा। जिसमें अमोल बघेल, चित्ररेखा बघेल सहित राजेश मोंगरे का विशेष सहभागिता रही।

मैया अभियान सतत जारी —घाटों की सफाई की गई

डिंडोरी। माँ नर्मदा सेवा "मैया अभियान " में रविवार पुल समीप घाटों में सफाई की गई। विदित है कि मैया अभियान लगभग 3 वर्षो से लगातार जारी है इस पर्यावरण सरंक्षण मैया अभियान में सरकारी कर्मचारी ,विद्यार्थी एवं नगर निवासी स्वेच्छा से प्रत्येक रविवार प्रातः 7 बजे से श्रम दान करते हैं । बरसात के मौसम में नर्मदा घाटों में प्लास्टिक पन्नियां , कंदे कपड़े ,काँच की बॉटल एवं अन्य दूषित सामग्रियों के कारण नर्मदा जल प्रदूषित हो जाता है । मैया अभियान के सभी सदस्यों ने नगर वासियों ,कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों से अपील की है कि प्रत्येक रविवार प्रातः 7 बजे माँ नर्मदा की सेवा में जरूर शामिल हो तभी हम मैया को प्रदूषित मुक्त कर पायेंगे। रविवार को डॉ संतोष परस्ते , वरिष्ठ शिक्षक शाहिद खान , प्रयास कोचिंग संचालक मनोज चौकसे , उत्कृष्ट विद्यालय शिक्षक जितेंद्र दीक्षित , रक्त देवदूत भागवत यादव , ओम वीर जाट , राम मिलन शर्मा , प्राचार्य राम विशाल मिथलेश , विद्यार्थी माही परस्ते , अवध गोहिया , याथार्त यादव , संतोष परमार ने नर्मदा सेवा में योगदान देकर पर्यावरण स्वच्छ्ता का संकल्प दोहराया।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, सोमवार 30 जून 2025

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

सड़क दुर्घटना में व्यक्ति की मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस काशीखैरी थाना क्षेत्र सुआतला मे हुई सड़क दुर्घटना मे व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार यशवंत पिता हनुमत ठाकुर उम्र 35 वर्ष निवासी करोंदी थाना तेंदूखेड़ा की काशीखैरी के पास हुई सड़क दुर्घटना मे घायल हो गया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर परीक्षण के दौरान मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव के कब्जे में लेकर मर्ग पंचनामा तैयार कर शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया।

छात्रा की हत्या को लेकर ज्ञापन आज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस जिला चिकित्सालय मे नर्स छात्रा की हत्या को लेकर समाज के सभी वर्ग तथा संगठनों द्वारा जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा जावेगा। उक्त संबंध मे पीड़ति पिता हीरालाल चैधरी द्वारा बताया गया कि जिला अस्पताल जैसी संवेदनशील स्थाना पर वेखौफ होकर हत्या जैसे अपराध को अंजाम दिया जाना निंदनीय घटना है जिससे आहत होकर समाज के सभी वर्गों द्वारा जिला प्रशासन को मुख्यमंत्री , राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौपां जाएगा।

मशीन से व्यक्ति घायल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस निर्माण कार्य कर रहे मजदूर का पैर फस गया जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि तीरथ पिता शनि ठाकुर उम्र 32 वर्ष निवासी लखनादौन जिला सिवनी निर्माण कार्य करने के लिए नरसिंहपुर आया हुआ था तभी काम करते समय उसका पैर मशीन मे फस गया जिससे वह घायल हो गया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है।

बुराई वाले व्यक्ति से बात करने पर कर दी मारपीट

गाडरवारा। अकसर देखा जाता है कि जब किसी व्यक्ति की किसी से बुराई रहती है और यदि उस व्यक्ति से किसी के द्वारा बात की जावे तो उसे भी वह अपना दुश्मन समझने लगता है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस समीपस्थ चीचली पुलिस थाने के अंतर्गत ग्राम पिपरिया में देखने मिली है। बताया जाता है कि ग्राम पिपरिया निवासी भानू प्रताप सिंह के वही के राकेश से किसी बात को लेकर बुराई चल रही है। जब प्रार्थी द्वारा उससे बात की गई तो आरोपियों द्वारा उसके साथ मारपीट करते हुये चोटे पहुंचाई। घटना के संबंध में ग्राम पिपिरया निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मेरे घर के पास में राकेश कौरव की किराना दुकान है। जब प्रार्थी राकेश से दुकान में शक्कर है कि नही पूछ रहा था उसी दौरान भानू प्रताप व रितु सिंह आये ओर प्रार्थी से बोले की तू मेरे दुश्मन से बात क्यों कर रहा है। इसी बात को लेकर दोनों ने प्रार्थी के साथ एक राय होकर गंदी गंदी गालिया देते हुये मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई।

इतवारा बाजार में होगा नव निर्माण, कार्ययोजना तैयार

व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स बदलेगी नगर की तस्वीर

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

जिले के प्रसिद्ध इतवारा की भूमि में नव निर्माण को लेकर शासन द्वारा कार्ययोजना तैयार की गई। जिसमें व्यवसायिक कॉम्प्लेक्स तैयार कर व्यापार को बढ़ाव दिया जावेगा। वही थोक एवं फुटकर सब्जी बाजर को अलग स्थान पर स्थापित किया जावेगा। 50 साल से अधिक पुराने लंबे चैड़े क्षेत्रफल वाले इतवारा बाजार परिसर में हालांकि कई स्थानों पर अतिक्रमण की वजह से समस्या है। वहीं अनदेखी के चलते करीब आधा दर्जन चबूतरे उपयोग लायक तक नहीं बचे हैं। इस कार्य योजना से कायाकल्प होने की उम्मीद जगी है।

25 करोड़ की है कार्ययोजना

नगरपालिका प्रशासन ने बाजार के विकास के लिए जो कार्ययोजना तैयार की है। उसके अनुसार परिसर में जहां हाकर्स और फुटकर व्यवापारियों से लेकर बड़े दुकानदारों तक के लिए अलग दुकानें तैयार होंगी। वहीं प्रोजेक्ट के अगले चरण में यहां के सब्जी बाजार वाले क्षेत्र को व्यवस्थित किया जाएगा। नगरपालिका ने लगभग 25 करोड़ की एक कार्ययोजना के पहले चरण में हाकर्स कार्नर, दूसरे चरण में सब्जी मंडी, तीसरे चरण में छोटे दुकानदारों के लिए 80 दुकानों का निर्माण और अंतिम चरण में बड़े कारोबारियों के लिए कॉम्प्लेक्स का निर्माण प्रस्तावित किया गया है।

साप्ताहिक बाजार के साथ है थोक मंडी

शहर के बीचों बीच स्थित हाट बाजार में रविवार के दिन जिले भर के व्यापारी अपनी दुकानें लेकर कारोबार करने के लिए पहुंचते हैं। इसके अलावा इतवारा बाजार नरसिंहपुर के आसपास से जुड़े सैंकड़ों गांवों के लोगों के लिए सप्ताह भर के राशन और सब्जी भाजी के लिए रोजमर्रा की की वस्तुओं की खरीद फरोख्त का केंद्र है। वहीं यहां पर प्रतिदिन सब्जी की थोक मंडी का भी संचालन होता है। जिसमें गांवों के सब्जी उत्पादक किसान अपनी सब्जी लेकर पहुंचते हैं।

समय के साथ हुआ बदहाल

शहर के इतवारा बाजार का समय के साथ बेहतर होने के बजाय बदहाल होता गया है। यहां पर 3 दशक पहले महज 4 शेड ही बनाए गए थे। उसके बाद थोक सब्जी विक्रेताओं के लिए पानी टंकी के पास दुकानें बनाई गईं। वहीं चबूतरों का रखरखाव नहीं होने से मछली मार्केट से लेकर मॉडल रोड के बीच आधा दर्जन चबूतरे खराब होने से उपयोग लायक तक नहीं बचे हैं। वर्तमान में हाल यह है कि हाट बाजार की दुकानें रविवार के दिन मॉडल रोड तक पहुंचती है। बाजार से नगर पालिका को अच्छी आवक तो होती है लेकिन नगर पालिका द्वारा व्यापारियों को व्यवस्थाएं पूरी नही दी जा रही है।

हत्या के आरोपियों को आजीवन कारावास

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। न्यायालय पंचम अपर सत्र न्यायाधीश वैभव सक्सेना के न्यायालय द्वारा हत्या के आरोपियों दीपक उर्फ टिपलु ठाकुर उम्र 22 वर्ष निवासी महात्म्मा गांधी वार्ड आमगांव रोड करेली बस्ती थाना करेली और मनीष जाटव उम्र 20 वर्ष निवासी पथरोली मोहल्ला अंबेडकर वार्ड, करेली बस्ती करेली थाना करेली जिला नरसिंहपुर, दोनों को दोषसिद्ध पाते हुये पृथक-पृथक से धारा 103(1) बीएनएस के तहत आजीवन कारावास एवं 5000-5000 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया है। अभियोजन मे बताया गया कि आकाश रघुवंशी और राजीव मेहरा, तीनों आकाश रघुवंशी की सफेद रंग की आल्टो कार से तलापार तरफ से बस्ती साईड जा रहे थे तभी करीब रात 8:15 से 8:30 बजे की बीच नई तहसील के सामने आकाश रघुवंशी ने सिगरेट लेने के लिये गाड़ी रोकी तब वह कार से उतरकर वहीं गुमठी से सिगरेट लेने लगा, आकाश रघुवंशी और राजीव मेहरा कार से उतरकर बाहर खड़े थे तभी मनीष जाटव, दीपक उर्फ टिपलू ठाकुर तथा नीरज वंशकार मोटर साइकिल से आये और दुर्गेश यादव के साथ पथरोली मोहल्ला में मढ़ई मेला में हुये विवाद को लेकर मनीष जाटव, दीपक उर्फ टिपलू ठाकुर एवं नीरज वंशकार ने आकाश रघुवंशी को गाली गलौच करना शुरू कर दिये। वाद विवाद बढ़ने पर नीरज वंशकार मोटर साइकिल छोड़ कर भाग गया आकाश ने मनीष व दीपक उर्फ टिपलू को गाली देने से मना किया तो दीपक उर्फ टिपलू व मनीष जाटव ने आकाश रघुवंशी के साथ झूमाझटकी कर हाथ थप्पड़ से मारना शुरू कर दिया उसी दौरान मनीष जाटव व दीपक उर्फ टिपलू ने जेब से चाकू निकालकर आकाश रघुवंशी को सीने, पेट एवं मुंह में मार दिये जिससे आकाश रघुवंशी को चोट लगी तथा खून निकलकर आकाश जमीन पर गिर गया। उसने चिल्लाया तो पेट्रोल पंप के सामने सीट कवर बनाने वाले राजा मौके पर आ गये तो मनीष व दीपक उर्फ टिपलू वहां से अपनी मोटर साइकिल से भाग गये फिर उसने एवं राजीव मेहरा व राजा जाटव ने आकाश रघुवंशी को ईलाज के लिये कार से सरकारी अस्पताल करेली लेकर गये जहां डॉक्टर से चैक कर आकाश रघुवंशी को मृत होना बताया। उक्त सूचना के आधार पर थाना करेली में अपराध पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना में लिया गया। मामले में समस्त आवश्यक अनुसंधान कर मामला न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर एवं अभियोजन द्वारा प्रस्तुत किये गये तर्कों से सहमत होते हुये आरोपियों दीपक उर्फ टिपलु ठाकुर उम्र 22 वर्ष और मनीष जाटव उम्र 20 वर्ष दोनों को दोषसिद्ध पाते हुये पृथक-पृथक से धारा 103(1) बीएनएस के तहत आजीवन कारावास एवं 5000-5000 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया है।

श्री गणेश देवस्थानम में निशुल्क नेत्र शिविर आज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती चेरिटेबल ट्रस्ट से संचालित शंकराचार्य नेत्रालय द्वारा श्री गणेश देवस्थानम सिद्धपीठ में 30 जून सोमवार को निःशुल्क नेत्र जांच व परामर्श शिविर आयोजित है। गणनायक फाउंडेशन के प्रमुख सुशान्त पुरोहित ने बताया की श्री द्वारका पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती की प्रेरणा से सिद्ध पीठ के संस्थापक स्व. कृष्ण कुमार पुरोहित की पुण्य स्मृति में होगा।

सुबह 10: 30 बजे से रजिस्ट्रेशन होगें और क्रम के अनुसार विशेषज्ञों द्वारा जांच भी शुरू हो जाएगी जो शाम 5 बजे तक चलेगीं। मोतियाबिन्द पाए जाने पर नेत्रालय द्वारा मरीजों को निःशुल्क बस सेवा से झोतेश्वर अस्पताल ले जाकर उपचार व आपरेशन किया जाएगा। मरीजों से आधार कार्ड की फोटोकॉपी व मोबाइल नंबर लेकर आने की अपील की गई है। क्षेत्रवासियों से शिविर का लाभ लेने की अपील की गई है।

रुद्री निर्माण एवं महारुद्राभिषेक का आयोजन 11 से

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। सावन के माह को पवित्र माह माना जाता है। सावन मे भगवान की पूजा आराधना व्यक्तियों द्वारा की जाती है। इसी क्रमांक स्थानीय सिद्धेश्वर मंदिर के पास यादव कॉलोनी मे एक माह तक महारूद्राभिषेक एवं रूद्री निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जानकारी देते हुए पंडित ईश्वर अंश जी महाराज द्वारा बताया गया कि सावन के माह मे रुद्राभिषेक से पुण्य फल की प्राप्ति होती है और मनुष्य की सभी मनोकामनाएं पूरी होती है तभा रोगो से भी मुक्ति मिलती है सावन का माह मूलतः भगवान शिव की आराधना को माह माना जाता है। इसी क्रम में उक्त आयोजन किया जा रहा है जिसमे श्रद्धालु अपनी भक्ति व आस्था के साथ रूद्री निर्माण व महारूद्राभिषेक करेंगें। यह आयोजन 11 जुलाई से 6 अगस्त तक निरंतर चलेगा।

पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक के नाम सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस थाना क्षेत्र गाडरवारा निवासी पीड़ि परिवार द्वारा पुलिस अधीक्षक के नाम ज्ञापन सौंप कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की गई है। ज्ञापन मे माता वार्ड निवासी राधा जाटव ने बताया कि 27-28 जून की रात उनके परिवार पर हमला किया गया। घटना की जानकारी देते हुए राधा ने बताया कि पहले मंडी क्षेत्र में दिनेश जाटव ने पैसों के विवाद में उनके भाई परषोत्तम जाटव से मारपीट की। इसके बाद कुछ लोग उनके घर पहुंचे और परिवार पर हमला कर दिया। हमलावरों ने उनके भतीजे अर्जुन जाटव के सिर पर हॉकी से वार किया। जब शोर सुनकर सत्यम, परषोत्तम, सुनील, गनेश और लकी जाटव बचाव के लिए आए, तो उन्हें भी पीटा गया। कई लोगों को सिर में चोटें आई हैं। अर्जुन ने थाने में शिकायत दर्ज कराई, लेकिन अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। राधा ने बताया कि इससे पहले भी 4-5 बार शिकायत की गई, पर पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। परिवार को लगातार धमकियां मिल रही हैं। शनिवार को राधा ने परिवार के साथ एसपी कार्यालय पहुंचकर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

कांग्रेस ने राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस कांग्रेस नेताओं ने को एएसपी संदीप भूरिया को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। इसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के खिलाफ दर्ज एफआईआर को फर्जी बताया गया है। कांग्रेस नेता लाखन सिंह के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया कि अशोकनगर जिले के मुंगावली थाने में दर्ज एफआईआर तथ्यों से परे है। यह एफआईआर 26 जून को वायरल हुए एक वीडियो के आधार पर दर्ज की गई। वीडियो में गजराज लोधी और उनके भाई रघुराज लोधी ने मारपीट और मानव मल खिलाने का आरोप लगाया था। कांग्रेस नेताओं ने बताया कि गजराज लोधी ने बाद में शपथपत्र देकर घटना को झूठा बताया। वीडियो में पीड़ति अपनी आपबीती जीतू पटवारी को बता रहे थे। इससे साफ है कि पटवारी मदद कर रहे थे, न कि अपराध में शामिल थे। कांग्रेस का आरोप है कि प्रदेश सरकार आदिवासी, दलित और पिछड़े वर्गों पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाने वाले नेताओं को फंसा रही है। जीतू पटवारी ऐसे मामलों में लगातार संघर्ष करते रहे हैं। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि अगर एफआईआर वापस नहीं ली गई तो वे सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेंगे। इसकी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी।

अस्पताल में चिकित्सकों के साथ कर्मचारियों की बेहद कमी

तेंदूखेड़ा

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा भगवान भरोसे चल रहा है। पूर्व से ही जहां डाक्टरों और कर्मचारियों की कमी चल रही थी वहीं तीन डाक्टर और हाल ही में चार कर्मचारियों को और चले जाने से अब भगवान भरोसे ही अस्पताल चल रही है।इनमे एक डाक्टर का असमय निधन हो जाने तथा एक डाक्टर का प्रोमोशन हो जाने के चलते भोपाल चले जाने तथा एक का बान्ड पूर्ण हो जाने की स्थिति मे उक्त तीन डाक्टरों की कमी अस्पताल मे बनीं हुई है। वहीं हाल ही में फार्मासिस्ट सर्पोट स्टाप नर्सिंग अधिकारी एक्सरा टेक्नीशियन और एक भृत्य का स्थानांतरण हो गया है। वैसे क्षेत्रीय विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल ने जिला अधिकारियों को इस संबंध में अवगत कराते हुए जब तक कोई नया स्टाप नही आता तब तक इनकी रिलीविंग ना दिये जाने को कहा है। अस्पताल में विभिन्न प्रकार की बीमारियों के चलते जहां प्रतिदिन अस्पताल मे मरीजों की भीड़ देखी जा रही है। वहीं डाक्टरों और कर्मचारियों की कमी के चलते गंभीर स्थिति बनी हुई है। पूर्व से ही स्वीकृत 23 पदों में 09 पद रिक्त पड़े हुए हैं। इनमें जहां चिकित्सा विशेषज्ञ शल्य चिकित्सा विशेषज्ञ तथा स्त्री रोग विशेषज्ञ की एक एक की जरूरत है लेकिन पद खाली पड़े हुए हैं।साथ ही ओप्थेलमिक अस्सिटेंड लेखापाल लेव सहायक ड्रेसर ओटी सहायक एक एक की जरूरत है वह भी खाली पड़ा हुआ है।वाडवाय जहां दो चाहिए वहां मात्र एक ही है। वाहन चालक है ही नहीं। अस्पताल में चिकित्सा अधिकारी पांच स्वीकृत हैं, दो रेग्युलर एक आयुष चिकित्सक 07 स्टाप नर्स एक लैव टेक्नीशियन तैनात हैं।शेष पद रिक्त पड़े हुए हैं।

आई सी यू वार्ड तैयार लेकिन चलाने वाले विशेषज्ञ नहीं

कोविड काल की तैयारियों और नगण्य स्वास्थ्य सुविधाओं का खामियाजा लगभग हर परिवार ने भोगा है। जिसे लेकर सरकार ने अब हर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एक गहन चिकित्सा कक्ष बनाने का निर्णय लिया है।कोविड काल में अपनी महती भूमिका निभाने वाली तेंदूखेड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भी 12 वेड गहन चिकित्सा कक्ष बन भी चुके है। चूंकि काम ऊपर से निर्धारित हुए ठेकेदार ने करवाया है।छुट पुट व्यवस्थाओं को छोड़कर काम हो भी चुका है। नौ वेड एक साथ और तीन वेड जनरल वार्ड में जगह के मान से स्थापित किए गए हैं।कक्ष बनकर तो तैयार है लेकिन इसे चलाने वाला कोई भी नहीं है। चूंकि इसे चलाने के लिए सुरक्षा गार्ड के कर्मी नहीं वरन एम डी डाक्टरों की आवश्यकता हुआ करती है। और तेंदूखेड़ा की सरकारी अस्पताल स्वास्थ्य कर्मियों के नाम से अछूती है। यहां पर सीखने वाले वांड डाक्टर भेजकर केवल खानापूर्ति की जा रही है। कुछ संविदा डाक्टर और आयुष डाक्टर के कारण अस्पताल चल पा रही है नहीं तो भगवान ही मालिक है। सोचनीय विषय तो यह बना हुआ है कि भीषण गंभीर दुर्घटनाओं के समय उक्त स्टाप ही अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने तत्पर बना रहता है।24 घंटे सेवाएं इन्हीं तैनातों के भरोसे पर चल रही है।

सिविल अस्पताल की जरूरत

तीन जिलों की सीमाओं पर स्थित 30 वेड वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा को अब सिविल अस्पताल बनाये जाने की जरूरत है। बढ़ती मरीजों की संख्या प्रसूति महिलाओं और दुर्घटनाओं को दृष्टिगत रखते हुए अस्पताल में जहां जगह कम पड़ने लगी है वहीं सुविधाओं के विस्तार की महती आवश्यकता है। अस्पताल में माननीयों द्वारा अपनी निधि से प्रदाय की गई सामग्री को रखने के लिए उचित व्यवस्था ना होने के कारण सामग्री बाहन इत्यादि खराब हो रहे हैं। विगत वर्ष तेंदूखेड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के नये भवन हेतु राशि भी आवंटित हो चुकी है और शायद उसका टेंडर भी लग चुका है लेकिन अभी तक इसका कोई भी काम चालू नहीं हो पा रहा है।

सुरक्षा के उचित प्रबंध नहीं

अस्पताल नगर के बाहर राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 45 जबलपुर भोपाल सड़क मार्ग पर किनारे स्थित है। सुरक्षा की दृष्टि से कोई उचित व्यवस्था नहीं है। छोटे छोटे नवजात शिशुओं की सुरक्षा से लेकर गंभीर मरीजों फिर महिलाओं को रात्रि में अकेले रहने के साथ महिला स्वास्थ्य कर्मियों को भी यहां पर अकेला रहना हमेशा खतरों से खाली नहीं होता ऊपर से रात्रि के समय इन स्वास्थ्य कर्मियों के साथ होने वाली बदसलूकी पर इनके संरक्षण की दिशा में कोई साथ खड़ा नहीं होता है। बल्कि बाहरी मानकर उल्टा दबाकर भाग निकलते हैं।इस विषय को लेकर पूर्व में जिला प्रशासन के अधिकारियों को जानकारी दी गई थी फोरलेन सड़क निर्माण के उपरांत अस्पताल की बाउंड्री वॉल का हवाला दिया था लेकिन अभी तक कोई उचित कार्यवाही नहीं हो सकी है। केंद्र के जीर्णोद्धार के लिए लाखों रुपए स्वीकृत हुए थे लेकिन संबंधित ठेकेदार थूक लपेटा करके वरिष्ठ अधिकारियों के स्वार्थों को सिद्ध करके चले जाते हैं।कम से कम अस्पताल परिसर को चारों तरफ से बड़ी तार बाउंड्री से तो सुरक्षित किया जा सकता है। जिससे परिसर में रखे रहने वाले बाहन और मरीज सुरक्षित रह सके।हाल ही में जिला मुख्यालय पर घटित हुई घटना को लेकर सुरक्षा की विशेष जरुरत है।

स्थानांतरण पर विदाई समारोह आयोजित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के विद्युत वितरण केंद्र सिहोरा में पदस्थ भूपाल सिंह ऊईके का स्थानांतरण सिवनी संभाग में किया गया। इस आदेश के अनुपालन में वे कार्यभार मुक्त हुए। इस अवसर पर सिहोरा वितरण केंद्र में उनके सम्मान में एक विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें तिलक लगाकर, पुष्पमाला पहनाकर, एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। उक्त मौके पर ऋषि कुमार महोबिया, कार्यालय सहायक, नरेश त्रिपाठी, लखन लाल जाटव, आशीष खंगार, मनोज लाड़े, हरिनारायण ठाकुर, नरेन्द्र कुशवाहा सहित अनेक कर्मचारी उपस्थित रहे।

सिहोरा रेल्वे स्टेशन पर अव्यवस्थाओं का बोलबाला, धूप के बाद अब बारिश में भीगते हुये ट्रेनों का इंजार करने मजबूर हो रहे यात्री

हरिभूमि न्यूज/ खुलरी। जहां एक ओर रेल विभाग द्वारा अपने यात्रियों को अच्छी सुविधाएं प्रदान करने की तो बात कही जाती है। मगर वहीं दूसरी ओर देखा जा रहा है कि समीपस्थ सिहोरा बोहानी रेल्वे स्टेशन पर रेल यात्रियों के लिए अनेक मूलभूत सुविधाओं के साथ साथ सुरक्षा की व्यवस्थाएं नही होने से रेल यात्रियों को परेशान होने के लिए मजबूर होते हुए देखा जा रहा है? बताया जाता है कि सिहोरा बोहानी रेल्वे स्टेशन से क्षेत्र के लगभग 25 से 30 गांवों के लोग यात्रा करने के लिए पहुंचते है। लेकिन यात्रियों की सुविधाओं के लिए यहाँ के दोनों प्लेट फार्मों पर वर्षो पुराना यात्री प्रतिक्षालय टीन शेड बना हुआ है जिसके नीचे मात्र चंद लोग ही खड़े हो सकते है बाकी लोगों को गर्मी के दिनों में तेज धूप व बारिश के मौसम में भीगते हुए ट्रेनों को इंतजार करते हुए आसानी से देखा जा सकता है...? वही अन्य सुविधाओं की सच्चाई पर गौर किया जावे तो यहां पर कहने के लिए तो पेशाब घर बने हुए है मगर उनमें गंदगी का आलम रहने से लोग उनकी ओर जाने का तक मन नहीं बना पाते है, इतना ही नही यदि अन्य व्यवस्थाओं की ओर ध्यान दिया जावे तो सुरक्षा की दृष्टि से तो यहां से यात्रा करने वाले रेल यात्रियों का भगवान ही मालिक होता है। क्योंकि जहां रेल्वे स्टेशन चारों ओर से खुला होने के कारण यहां पर दिन दिन भर पशुओं को भ्रमण करते हुए देखा जाता है। वही इस समय पड़ रही भीषण गर्मी के दौरान रेल यात्रियों के लिए रेल प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार से ठंडे पानी की व्यवस्था करना तो दूर की बात जो नल लगे हुए है उनसे भी पानी नही निकलने के कारण रेल यात्री पीने के पानी के लिए यहां वहां भटकते हुए देखे जाते है। इस प्रकार से देखा जावे तो सिहोरा बोहानी रेल्वे स्टेशन पर चारों ओर फैली हुई अव्यवस्थाओं के चलते रेल यात्रियों को परेशान होते हुए देखा जा रहा है।